नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा : एक महत्वपूर्ण कदम

ऑस्ट्रेलिया ने 10 दिसंबर 2025 से 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कर दुनिया को चौंका दिया है. यह कदम केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि डिजिटल युग की सबसे बड़ी सामाजिक चुनौती,बच्चों की सुरक्षा,को लेकर उठाया गया अब तक का सबसे कठोर और सबसे साहसी कदम है. जिस समय दुनिया भर में सोशल मीडिया कंपनियां मुनाफे और उपयोगकर्ता संख्या को बढ़ाने के लिए हर उम्र के उपयोगकर्ताओं को अपनी ओर खींचने में लगी हैं, उसी समय ऑस्ट्रेलिया ने साफ संदेश दे दिया है कि 'बच्चों की मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक सुरक्षा किसी भी व्यावसायिक हित से ऊपर है.' यह निर्णय केवल ऑस्ट्रेलिया तक सीमित नहीं रहेगा. इसका प्रभाव अंतरराष्ट्रीय नीति-निर्माण पर पड़ना तय है. यही कारण है कि दुनिया के कई देश अब इसी दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं.

ऑस्ट्रेलिया की घोषणा के तुरंत बाद मलेशिया ने भी 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध को कैबिनेट स्तर पर मंजूरी दे दी. यह संकेत है कि दक्षिण-पूर्व एशिया इस मुद्दे को अत्यधिक गंभीरता से देख रहा है. यूरोप के अन्य विकसित देश भी पीछे नहीं हैं,डेनमार्क 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए प्रवेश रोकने की तैयारी कर रहा है, जबकि नॉर्वे इस पर गंभीर विचार कर रहा है. न्यूजीलैंड खुलकर कह चुका है कि वह ऑस्ट्रेलिया के मॉडल से प्रेरित है और उसी तरह का कानून लाने पर विचार कर रहा है. यह परिदृश्य बताता है कि बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा केवल एक देश का मुद्दा नहीं, बल्कि एक वैश्विक चिंता बन चुका है.

फ्रांस, जर्मनी और इटली जैसे देशों ने पहले ही नाबालिगों के लिए सख्त आयु-सीमा और माता-पिता की सहमति जैसे नियम लागू कर रखे हैं. फ्रांस ने 15 साल से कम उम्र के लिए अभिभावक की अनुमति अनिवार्य की है, जर्मनी में 13 से 16 वर्ष के बीच सोशल मीडिया उपयोग अभिभावक की मंजूरी पर निर्भर है, जबकि इटली में 14 साल से कम उम्र के लिए यही व्यवस्था है. यह कदम निश्चय ही बच्चों को संरक्षण देते हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया जैसे पूर्ण प्रतिबंध की कठोरता इनमें नहीं है.

चीन ने 'माइनर मोड' के ज़रिए स्क्रीन टाइम और कंटेंट एक्सेस को नियंत्रित कर दुनिया को अलग मॉडल दिखाया है. वहीं ब्रिटेन का ऑनलाइन सेफ्टी एक्ट प्लेटफॉर्म पर जिम्मेदारी डालता है, लेकिन उम्र-आधारित प्रतिबंध अभी वहां नहीं है. इसमें दो राय नहीं कि सोशल मीडिया ने बच्चों पर सबसे ज्यादा मानसिक दबाव डाला है,अवसाद, तुलना की संस्कृति, साइबर बुलिंग, फेक कंटेंट और लत के रूप में यह खतरा लगातार बढ़ता गया है. लाखों अभिभावक असहाय महसूस करते रहे कि आखिर बच्चों को कैसे इस डिजिटल जाल से बचाया जाए. ऐसे में, ऑस्ट्रेलिया का यह कदम कई माता-पिता के मन की आवाज़ है. यहां सवाल उठता है कि क्या पूर्ण प्रतिबंध ही समाधान है? आलोचक कह रहे हैं कि प्रतिबंध बच्चों को 'छुपकर' अकाउंट बनाने के लिए प्रेरित करेगा या डिजिटल कौशल में उन्हें पीछे छोड़ देगा. लेकिन सरकारों का तर्क है कि जब तक सोशल मीडिया कंपनियां सुरक्षित ढांचा नहीं बनातीं, तब तक बच्चों को इस जोखिम भरे माहौल में धकेलना अनुचित है.

भारत दुनिया का सबसे युवा देश है. असुरक्षित डिजिटल कंटेंट से सबसे ज्यादा प्रभावित होने की संभावना भी यहीं है. ऐसे में भारत को भी अब केवल सलाह और जागरूकता से आगे बढ़कर क़ानूनी नीतियों पर विचार करना होगा,चाहे वह आयु-सीमा हो, पैरेंटल कंट्रोल हो या प्लेटफॉर्म की जवाबदेही .ऑस्ट्रेलिया ने दुनिया को दिशा दिखाई है. अब सवाल यह है कि कौन-कौन से देश बच्चों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए इसी राह पर चलने का साहस दिखाते हैं.

सीएम मोहन यादव की नई पहल
बुंदेलखंड को विकास की सौगात

गोविंद सिंह राजपूत

खजुराहो में दो दिवसीय डॉ. मोहन यादव के प्रवास के दौरान मंत्रिमंडल की कैबिनेट में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये जिसमें बुंदेलखंड के लिए यह एक स्वर्णिमिक दिवस रहा. जब सागर के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महत्वपूर्ण विकास कार्यों की सौगातें देकर सागर के विकास की नई ईवारत लिखी. खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि डॉ. मोहन यादव ने बुंदेलखंड एवं सागर के लिए हजारों करोड़ की सौगातें दी हैं जिससे सागर विकास के नये आयामों को छूएगा. यहां के युवाओं को रोजगार से जोड़कर विकास की नई कहानी लिखी जायेगी तो वहीं पर्यटन के क्षेत्र में नया इतिहास रचने की घोषणा हो चुकी है.

> **25 हजार करोड़ से विकसित होगा नया औद्योगिक क्षेत्र** – खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि उद्योगों के लिए भी सागर को विशेष पैकेज प्रदान किया गया है. जिसके तहत रिछोड़ा के पास 25 हजार करोड़ की लागत से नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जायेगा, जिसमें लगभग 30 हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना जताई जा रही है. मसवासी ग्रंट औद्योगिक क्षेत्र हेतु स्वीकृत विशेष औद्योगिक प्रोत्साहन पैकेज में भूमि टोकन शुल्क मात्र एक रुपये प्रति वर्गमीटर, किराया और रजिस्ट्रेशन शुल्क में पूर्ण छूट एवं बिजली दरों में रियायत शामिल है.

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में सागर में 608.93 हेक्टेयर भूमि पर 25 हजार करोड़ की लागत से नया उद्योग क्षेत्र स्थापित किया जायेगा जिसमें कई उद्योग होंगे जिससे 30 हजार लोगों को रोजगार मिलने का अनुमान है. वहीं दूसरी ओर नौरादेही अभ्यारण में जुलाई माह में मुख्यमंत्री 4 चीता लेकर आयेंगे जिससे क्षेत्र में स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा. राजपूत ने कहा कि इसके साथ ही सागर से दमोह सड़क फोरलेन करने की घोषणा की है. यह सड़क अब तक टूलेन था, अब इस सड़क के फोरलेन होने से आवागमन में सुलभता होगी. मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छतरपुर तथा दमोह में नये मेडिकल कॉलेज के लिए नये पदों का श्रृजन किया गया है. इसके साथ ही बीना के लिए सौ बिस्तरीय अस्पताल की घोषणा की गई है. इन घोषणाओं से सागर का विकास ऊंचाईयों तक पहुंचेगा. मंत्री श्री राजपूत ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का धन्यवाद और आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सागर तथा बुंदेलखंड के लिए मुख्यमंत्री द्वारा दी गई यह सौगातें विकास के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होंगी.

जुलाई माह में आयेंगे नौरादेही में 4 चीता – खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि जब प्रधानमंत्री कूनो में चीता लेकर आये थे तो पूरे देश को बड़ी खुशी हुई थी और अब बुंदेलखंड में पहली बार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जुलाई माह में नौरादेही अभ्यारण में 4 चीता लेकर आयेंगे, यह हमारे लिए गर्व की बात है. इससे हमारे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा. यह वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में भी सागर जिले को बड़ी उपलब्धि मिली है. नौरादेही अभयारण्य को प्रदेश के तीसरे चीता आवास के रूप में विकसित करने की सैद्धांतिक सहमति दी गई है. इससे क्षेत्र में पर्यावरणीय संरक्षण और इको-टूरिज्म को ब?ावा देने की सकारात्मक पहल है.

सागर-दमोह फोरलेन निर्माण को 2059 करोड़ मंजूर– मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि केबिनेट बैठक में सागर-दमोह मार्ग को 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर के साथ विकसित करने के लिए 2059.85 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है. 76.680 किमी लंबे इस मार्ग का निर्माण हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम) के अंतर्गत किया जाएगा. परियोजना में 13 अंडरपास, 3 फ्लाईओवर, 9 मिडियन, 1 आरओबी तथा 13 पुल-पुलिया निर्माण का प्रावधान है. भूमि अर्जन और अन्य कार्यों पर 323.41 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे. इससे सागर दमोह भोपाल जबलपुर जाने वालों के लिए आवागमन सुलभ होगा.

100 बेड का होगा बीना अस्पताल, पद सृजन को मंजूरी–स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए बीना सिविल अस्पताल की क्षमता 50 से 100 बिस्तर तक बढ़ाने और नए पदों के सृजन को भी मंजूरी दी गई है. इससे स्थानीय नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध होने की उम्मीद है. मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि उक्त निर्णयों से स्पष्ट है कि सागर जिले के लिए यह बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण रही. सड़क विकास से यात्रा सुगम होगी, नए चीता आवास से पर्यटन व पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, औद्योगिक पैकेज से निवेश बढ़ेगा और स्वास्थ्य ढांचा मजबूत होगा. खजुराहो में डॉ. मोहन यादव ने बुंदेलखंड के विकास की नई ईवारत लिखी जिसमें समस्त बुंदलेखंड को विकसित करने के लिए हजारों करोड़ की सौगातें दी गईं इससे बुंदेलखंड का हर क्षेत्र विकास कार्यों से जुड़ेगा.

(लेखक खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री हैं)

महाकौशल की डायरी

रजिस्ट्रार की कुर्सी को लेकर चल रही गणेश परिक्रमा

अविनाश दीक्षित

नानाजी देशमुख वेटरनरी साइंस यूनिवर्सिटी में रजिस्ट्रार की कुर्सी को लेकर अफसरों के बीच गणेश परिक्रमा चल रही है. अब तो विवि के प्रोफेसरों के साथ पशुपालन विभाग के अफसर भी इसमें शामिल हो गए हैं. वहीं कुर्सी के मुख्य दावेदार अधिकारी पशुपालन मंत्री के कार्यालय से लेकर भोपाल स्थित सचिवालय के चक्कर काट रहे हैं कि कहीं भी उनकी कोई गोटी फिट बैठ जाए.

आलम ये है कि विवि में रजिस्ट्रार पद के दावेदार प्रोफेसरों और अधिकारियों के चहेते एक-दूसरे के हर टूर और दैनिक गतिविधियों की जानकारी भी रख रहे हैं कि कौन कब कहां आ – जा रहा है. उधर रजिस्ट्रार पद के लिए नए अधिकारी की तैनाती को लेकर चल रही अटकलों को लेकर कुलसचिव कार्यालय का स्टाफ परेशान होकर आदेश का इंतजार करता

नजर आ रहा है. हालांकि नए नाम को लेकर किसी भी अधिकारी के पास कोई पुख्ता जानकारी नहीं है लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि विवि में इस पद की जिम्मेदारी पशुपालन विभाग के अधिकारी को मिल सकती है.

पेशी से पहले गायब हुए अधिकारी....

जबलपुर के अधारताल एसडीएम कोर्ट में पेशी में जाने से पहले रहस्यमय परिस्थितियों में अपने परिवार के साथ गायब हुए मप्र हाउसिंग बोर्ड के एक अधिकारी चर्चाओं का विषय बने हुए हैं. साहब पर आरोप लगा है कि इन्होनें आदिवासी कमलाबाई गौंड़ का अंगूठा लगवाकर उनकी लाखों की जमीन को दूसरे को बेच दिया. इसी को लेकर एसडीएम कोर्ट से साहब के माढोताल में स्थित आलीशान कोठी में मामले में जवाब देने और जमीन से जुड़े दस्तावेज पेश करने नोटिस भेजा गया है. नोटिस तो भेज दिया गया लेकिन साहब सपरिवार गायब हो गए हैं. खबर है कि साहब छत्तीसगढ़ स्थित अपने मूल निवास पर चले गए हैं.

इस पर पीड़ित परिवार के लोगों का कहना है कि बकरा आखिर कब तक अपनी खैर मनाएगा. वहीं जानकारों का कहना है कि टीएस टिर्की एसडीएम कोर्ट की पेशी से डर रहे हैं जिस कारण वे अंडरग्राउंड हो गए हैं. अंजाम कुछ भी हो , एसडीएम कोर्ट में पता नहीं कितनी और पेशी हों लेकिन इन सब के बीच में कमलाबाई नामक महिला की लाखों की जमीन तो फिलहाल उसके हाथ से निकल गई है जिसको लेकर उसका परिवार काफी दु:खित है.

उम्र छिपाकर जीत लिया युवक कांग्रेस के अध्यक्ष का चुनाव....

युवा कांग्रेस पदाधिकारियों के ऑन लाइन हुए चुनावों को लेकर शिकायतों का दौर अभी थमा नहीं है. भोपाल नगर अध्यक्ष को बदले जाने के बाद अब जबलपुर की कैंट विधानसभा (99) से युवा कांग्रेस के निर्वाचित अध्यक्ष सौरभ यादव विवादों में घिर गए हैं. इनके खिलाफ तो संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु को शिकायत भेजकर बताया गया है कि सौरभ यादव ने अपनी उम्र छिपाते हुए फर्जी दस्तावेजों के सहारे चुनाव लड़ा था. शिकायत कर्ता राहुल रजक ने अपनी बात को सही साबित करने के लिए सौरभ यादव की दसवीं की मार्कशीट भी प्रस्तुत की हैं. ऐसे में युवा कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की जिम्मेदारी भी कटघरे में खड़ी होती नजर आ रही है. सवाल उठ रहे हैं कि क्या उम्मीदवारों के दस्तावेजों को ठीक ढंग से चैक नहीं किया गया.? विदित हो कि संगठन द्वारा युवा कांग्रेस में पदाधिकारियों के चयन में पारदर्शिता लाने के लिहाज से पहली बार ऑन लाइन मतदान का प्रयोग किया गया था, लेकिन ये प्रयोग लगातार विवादों में घिरा हुआ नजर आ रहा है. संगठन द्वारा तय नियमों के मुताबिक 35 वर्ष से कम उम्र वाले प्रत्याशी ही चुनाव लड़ सकते थे. उच्च कमान स्तर पर भेजी गई शिकायत में सौरभ की दसवीं की मार्कशीट में जन्म तिथि 28 फरवरी 1986 दर्ज है, जबकि नियमानुसार चुनाव लड़ने के लिए 1 अप्रैल 1990 या उसके बाद जन्मे लोग पात्र थे. साफ है कि असली उम्र छुपाते हुए फर्जी दस्तावेज लगाकर चुनाव लड़ा गया है जिसमें कहीं न कहीं संगठन के आला नेताओं की संलप्तिता आगामी दिनों में उजागर हो सकती है.

सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव से बच्चों की रक्षा

ऑस्ट्रेलिया सरकार ने 16 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया है किंतु क्या इसे सफलतापूर्वक लागू किया जा सकेगा? फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, एक्स, यूट्यूब, टिकटॉक, रेडिट आदि बड़े प्लेटफार्म को आदेश दिया गया है कि वह उपयोगकर्ता (यूजर) की आयु की जांच करें तथा 16 वर्ष से कम पाए जाने पर उसका अकाऊंट निर्षक्रय कर दें. माना जाता है कि बहुत ज्यादा सोशल मीडिया का इस्तेमाल बच्चों के लिए हानिकारक होता है. ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों का अध्ययन है कि 10 से 15 वर्ष की आयु के 10 बच्चों में से 7 पर सोशल मीडिया का दुष्प्रभाव पड़ता है. वह खानपान की गलत आदतों के अलावा महिलाओं से नफरत तथा आत्महत्या जैसे नकारात्मक विचारों से प्रेरित होते हैं. यदि सोशल मीडिया प्लेटफार्म इस आदेश का पालन नहीं करेंगे तो उन पर 50 मिलियन ऑस्ट्रेलियन डॉलर का जुर्माना किया जाएगा. एक बात यह भी है कि आज की पीढ़ी तकनीक को जल्दी ग्रहण करती है. वह किसी वयस्क का प्रोफाइल बनाकर सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर सकती है. इसके अलावा शंका है कि ऐसे प्रतिबंध की वजह से ये बच्चे किसी अन्य नुकसानदेह डार्क वेब के चक्कर में न उलझ जाएं. प्रतिबंधित प्लेटफार्म की जगह नए प्लेटफार्म भी आ सकते हैं. इसलिए ऐसा किया जा सकता है कि पालक अपने बच्चों की इंटरनेट गतिविधियों की निगरानी रखें. कोई भी डिजिटल भुगतान वयस्क ही कर सकते हैं इसलिए पालकों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है. बच्चे ऐसे वीडियो या पोस्ट को एक्सेस कर सकते हैं जो खुले तौर पर उपलब्ध हैं. ऑस्ट्रेलिया का कानून अभिभावकों या बच्चों को दंडित नहीं करता. उसने प्लेटफार्म पर जिम्मेदारी डाली है. क्या भारत में भी ऐसा कानून बनेगा जो बच्चों पर सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव को रोके ?

ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों का अध्ययन है कि 10 से 15 वर्ष की आयु के 10 बच्चों में से 7 पर सोशल मीडिया का दुष्प्रभाव पड़ता है. वह खानपान की गलत आदतों के अलावा महिलाओं से नफरत तथा आत्महत्या जैसे नकारात्मक विचारों से प्रेरित होते हैं.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

मजबूत है अपनी डेमोक्रेसी फिर विपक्ष की उपेक्षा कैसी

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, चाहे जैसी भी हो, अपनी डेमोक्रेसी पर हमें गर्व करना चाहिए. इसमें राजनीति का पेच है, पार्टियों की रस्साखींच है. ईवीएम का दम है और विपक्ष का गम है. सत्ता पक्ष का जोश है, असंतुष्टों का रोष है. वादों की बारात है, मुफ्तखोरी वाली योजनाओं की खैरात है. सरकारी खजाने पर बढ़ता बोझ है फिर भी नेताओं के चेहरे पर ओज है.'

हमने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी पहले ही बता चुके हैं कि इंडिया इज मदर ऑफ डेमोक्रेसी. बीजेपी के नेता भी कहते हैं- इस देश में रहना होगा तो वंदे मातरम कहना होगा. जिसके दिल में राष्ट्रभक्ति है, वह महंगाई, बेरोजगारी या गरीबी जैसे फालतू के मुद्दों के बारे में नहीं सोचता. विपक्ष व्यर्थ का डंका बजाता है. चुनाव आयोग पर शंका जताता है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, महाराष्ट्र में विपक्ष के नेता का पद खाली पड़ा है जबकि संविधान में इसका प्रावधान है. बिना नेता के विपक्ष की हालत सिरकटे जैसी है. विपक्ष का नेता आगे बढ़कर मुख्यमंत्री और उनकी सरकार को सीधी

चुनौती देता है.' हमने कहा, 'बीजेपी के शासन में विपक्ष के नेता की वैसे भी कोई कद्र नहीं है. रूस के राष्ट्रपति पुतिन के लंच या डिनर में विपक्ष के नेता राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन खड़गे को मोदी सरकार ने नहीं बुलाया. उनकी पूरी तरह उपेक्षा की. क्या लोकतंत्र में ऐसा होना चाहिए?'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, रूस में भी कौन सा विपक्ष का नेता है? चीन और रूस का शासन इसलिए मजबूत है क्योंकि वहां विपक्ष का नेता नामक कोई चुनौती नहीं है. अमेरिका में ट्रंप भी अपने विरोधियों की पूरी तरह अवहेलना करते हैं. मोदी को विपक्ष में सिर्फ शशि थरूर समझदार लगते हैं, इसलिए पुतिन को दिए गए भोज में उन्हें शामिल किया गया.'

हमने कहा, 'विपक्ष का आरोप है कि बंगाल चुनाव को देखते हुए मोदी सरकार ने वंदेमातरम पर दिनभर चर्चा चलाई और कहा कि जिन्ना के दबाव में आकर नेहरू ने वंदेमातरम को संक्षिप्त कर दिया. इसके जवाब में कांग्रेस ने कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक रहे डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने खुद मुस्लिम लीग से समझौता किया था तथा लालकृष्ण आडवाणी ने कराची जाकर जिन्ना की तारीफ की थी.' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, इसी तरह डेमोक्रेसी में नहले पर दहला जड़ा जाता है.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12108
-डॉ. सागर खादीवाला

1		2	■	3	■	4	
	■	5	6		7		■
8	9			■	10		
11			■	12			■
■	13		14	■		■	15
16	■	17		18	■	19	
20	21	■	■	22	23		
24				■	25		■

ऊपर से नीचे
1. बहुत से लोगों की मिलकर एक राय 2. जीवन व्यतीत करने और काम करने का ढंग 3. स्वच्छ 4. समान होने का भाव, तुल्यता 6. बेल 7. जिसे समझ न हो 9. पराजित होना 14. नस, नाड़ी (उर्दू) 15. रोग, व्याधि 16. स्याही रखने का छोटा पात्र, मसिपात्र (उर्दू) 18. ताश का एक खेल (अं) 19. दुर्भिक्ष्य 21. जवान 23. नासिका

बाएं से दाएं
1. सिंह, अफ्रीका में पाया जाने वाला शेर (उर्दू) 4. सहोदर, एक माता से उत्पन्न 5. शपथ-पत्र (उर्दू) 8. बड़प्पन, महत्ता 10. प्रमाण, सबूत, प्रमाणपत्र (उर्दू) 11. दया, रहम 12. स्नेह, अपना समझने का भाव 13. शेर, सिंह 17. गांव और कस्बे से बड़ी बस्ती 19. अमावस्या 20. हवा 22. सोने पर किया जाने वाला रंगबिरंगा काम (उर्दू) 24. वेश्या (उर्दू) 25. आने वाला या बीता हुआ दिन

Solution 12107

चि	ल	म	पो	श	■	ज	ल
कि	स्त	■	ता	रा	■	न	ह
त्सा	■	म	■	प	रि	वा	र
■	प	ल्ल	व	ना	■	सा	दा
उ	र	■	ज	■	अ	■	र
पा	पी	■	ह	रि	ज	न	■
स	ड़	क	■	झा	ग	■	बो
ना	क	■	अ	ना	र	दा	ना

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में यात्रा का योग है, पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति होगी. मित्र के कारण कार्यो में व्यवधान आयेगा. व्यवसाय में अत्याधिक परिश्रम करना होगा. वर्ष के मध्य में पूर्व निर्धारित कार्यो में रूकावटें आयेंगी. दाम्पत्य जीवन में कलहपूर्ण स्थिति से बचना चाहिये. वर्ष के अन्त में धन लाभ का योग है. शुभ सूचना प्राप्त होगी. जमीन जायजाद में वृद्धि होगी. संबंधों में मधुरता आयेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को धन लाभ का योग है. सुखद समाचार प्राप्त होगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को यात्रा का योग है. पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति होगी. कर्क राशि के व्यक्तियों को जीवन सुखमय रहेगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को अधिक परिश्रम करना होगा. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को निर्धारित कार्यो में रूकावटें आयेंगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को मित्र के कारण व्यवधान आ सकता है.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक गौरवर्ण का दुबला पतला लंबे कद का प्रभावशाली होगा, माता पिता का आदर करेगा, नौकरी और व्यापार दोनों में अच्छी तरक्की करेगा, विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षा होगी, दूसरों की मदद करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

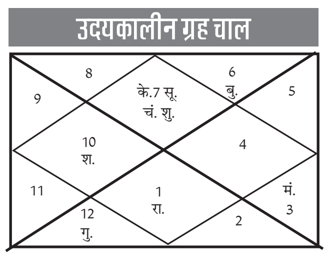

मेष– संपत्ति के मामले अभी विचाराधीन रखें, तो ज्यादा ठीक रहेगा, मन प्रसन्न रहेगा, यश मिलेगा. शुभ समाचारों का संचार होगा, पुराने मित्र मिलेंगे.

वृषभ– परिश्रम की मात्रा में लाभ कम होगा, उच्चाधिकारियों से तनाव की संभावना है, सावधानी रखकर कार्य करना हितकर रहेगा, अतिथि आगमन होगा.

मिथुन– व्यवसाय में किसी नये प्रस्ताव को स्वीकार करना होगा, अंतरंग मित्र बनेंगे, शुभ समाचार मिलेगा, नये उत्तरदायित्वों की प्राप्ति होगी.

कर्क– मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा, श्रम की मात्रा अधिक होगी, पुकुम्भ मित्रता उपयोगी रहेगी, लालच न करें, आपसी बात को महत्व मिलेगा.

सिंह– खानपान का विशेष ध्यान रखें, धर्म कर्म आध्यात्म में रूचि बढ़ेगी, धार्मिक यात्रा होगी, जोड़तोड़ करना पड़ेगा, नि जी कार्यो की रूपरेखा बनेगी.

कन्या– अप्रत्याशित खर्चो के कारण संकट पैदा हो सकता है, जिसके कारण मानसिक तनाव रहेगा, आजीविका के प्रयासों में सफ्लता मिलने का योग है.

तुला– पद के अनुरूप कार्यप्रणाली लाभदायक रहेगी, अनावश्यक वस्तुओं का संग्रह होगा, वाद विवाद का भय रहेगा, बनते हुये कार्यो को अवरोध का सामना करना होगा.

वृश्चिक– मित्रों के साथ मेल मिलाप बढ़ेगा, मनोरंजन में समय अधिक व्यतीत होगा, भागदौड़ करना पड़ेगी, मनोवांछित सफ्लता मिलने का योग है.

धनु– मन में किसी अज्ञात भय की स्थिति बनेगी, नये व्यापार पर गंभीरता से विचार होगा, समय के स्वरूप को देखकर कार्य करें, अधिनस्थों से विरोध हो सकता है.

मकर– कार्यस्थल में अधिकारियों से सामंजस्य बनाना पड़ेगा, यश मिलेगा, मांगलिक कार्य बनेंगे, अनजान व्यक्ति पर भरोसा न करें, अन्यथा नुकसान हो सकता है.

कुम्भ– अचानक किसी महत्वपूर्ण कार्य को करने के लिये तैयार रहें, लाभ की अपेक्षा हानि हो सकती है, धैर्य से लाभ होगा, अधिकारी वर्ग आपकी मदद करेंगे.

मीन– धार्मिक गतिविधियों में रूझान बढेगी, दान धर्म में धन खर्च होगा, पुरानी योजनायें फ्लीभूल होंगी, लाभदायक अवसर मिलेगा. संतान की चिन्ता दूर होगी.

पंचांग

रा.मि. 21 संवत् 2082 पौष कृष्ण अष्टमीं भृगुवासरे शाम 6/56, पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्रे दिन 8/30, प्रीति योगे दिन 3/55, बालव करणे सू.उ. 6/46, सू.अ. 5/14, चन्द्रचार सिंह दिन 2/45 से कन्या, शु.रा. 5, 7,8,11,12,3 अ.रा. 6,9,10,1,2,4 शुभांक- 7,9,3.

व्यापार भविष्य

पौष कृष्ण अष्टमीं को पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, के भाव में मंदी होगी, चना, जवार, के भाव में मंदी का योग है, कपास के भाव में समता रहेगी, तिल, तेल, सरसों, आदि में मंदी की चाल चलेगी. भाग्यांक 1310 है.

SUDOKU 7240

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7239

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9